RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 150
दि. 29.09.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

छठ पर बिहार वासियों को पीएम मोदी देने जा रहे हैं बड़ा तोहफा! 'मन की बात' में किया ऐलान

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 126वें एपिसोड में रविवार (28 सितंबर) को एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सूर्यदेव को समर्पित छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक परंपरा का भव्य और दिव्य उत्सव है, और उनकी सरकार इसे वठएरउड की सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल कराने के प्रयासों में जुटी है। पीएम मोदी का यह बयान चुनावी माहौल के बीच बिहार की राजनीति में नई हलचल पैदा करने वाला है।

छठ पर्व पर पीएम मोदी का बड़ा संदेश

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे त्योहार सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि ये भारत की जीवंत संस्कृति को भी आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने छठ पूजा को "ग्लोबल फेस्टिवल" बताते हुए कहा कि यह पर्व अब केवल बिहार या उत्तर भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय प्रवासी इसे पूरे उत्साह से मनाते हैं। उन्होंने कहा, दीपावली के बाद आने वाला छठ पर्व खास है क्योंकि इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

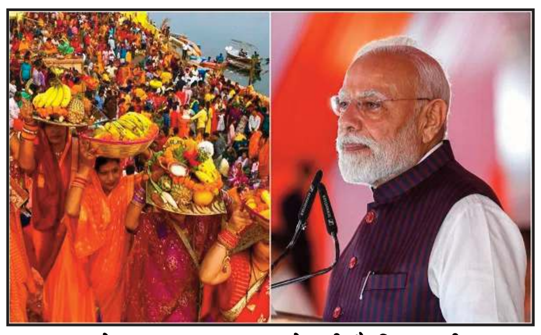

पीएम मोदी ने कहा, "सूर्यदेव को समर्पित छठ महापर्व बिहार की सांस्कृतिक परंपरा का भव्य और दिव्य उत्सव है। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमारी सरकार इस महापर्व को UNESCO की सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल कराने के प्रयासों में जुटी है।"

अब सवाल यह है कि अगर छठ पर्व को UNESCO की सूची में शामिल करने की बात हो रही है, तो इसका मतलब क्या है? UNESCO संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है, जो दुनिया भर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों को संरक्षित करने का काम करती है। जब किसी परंपरा, उत्सव या धरोहर को वठएरउड की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया जाता है, तो उसका महत्व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ जाता है।

इस सूची में शामिल होने के लिए देश की सरकार को पहले प्रस्ताव भेजना पड़ता है। उसके बाद विशेषज्ञों की कमेटी उस परंपरा के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन करती है।

बलरामपुर को सीएम योगी ने दी करोड़ों की सौगात, मां पटेश्वरी का किया दर्शन पूजन

बलरामपुर (जीएनएस)। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री रविवार सुबह मां पाटेश्वरी देवी के दर्शन-पूजन व गोसेवा के उपरांत जनपदवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। जनपदवासियों को शिक्षा क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली। सीएम ने 17 फरवरी 2020 में राजकीय पाॅलीट क्निक घुघुलपुर, बलरामपुर के भवन का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था। 2029 लाख रुपये खर्च कर यह कार्य पूरा हो चुका है। रविवार को इसका लोकार्पण किया गया । लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों के आवासीय भवनों के लिए टाइप-4 के छह आवास, टाइप-3 के 12 आवास व टाइप-2 के 12 आवासों का लोकार्पण भी किया गया।

बलरामपुर के उतरौला तहसील में टाइप 3 के चार आवासीय भवन व राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, बालापुर बलरामपुर में शिक्षक व शिक्षणेत्तर कार्मिकों के कुल 15 आवासों के निर्माण का भी शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री बलरामपुर के घुघुलपुर में बस स्टेशन के निर्माण के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। साथ ही राजकीय नवीन हाईस्कूल लौकीखुर्द, त्रिलोकपुर, रेहरा चौकी का भी शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री थारू विकास परियोजना विशुनपुर विश्राम परिसर में कंप्यूटर व सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास किया।।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव आयोग द्वारा बिहार चुनाव की तारीखों का कभी भी हो सकता है ऐलान

बिहार चुनाव 2025 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। सभी की नजरें अब सिर्फ एक सवाल पर टिक गई हैं- आखिर कब होगा चुनाव की तारीखों का ऐलान? जैसे-जैसे नवंबर करीब आ रहा है, सियासी हलचल भी तेज हो गई है। अब चुनाव आयोग (ECI) ने बिहार दौरे का ऐलान कर दिया है और माना जा रहा है कि इस दौरे के बाद चुनाव शेड्यूल कभी भी जारी हो सकता है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की उच्चस्तरीय टीम 4 और 5 अक्टूबर को पटना का दौरा करेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी का सीधा प्रसारण देखा

गांधीनगर, 28 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद में चांदखेडा क्षेत्र से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी का सीधा प्रसारण देखा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन-जन तक पहुँचने के लिए 3 अक्टूबर 2014 विजया दशमी के दिन से 'मन की बात' कार्यक्रम शुरू किया था। प्रधानमंत्री 'मन की बात' के माध्यम से नागरिकों के साथ संवाद भी साधते हैं। रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि 'मन की बात' एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें देश सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन में प्रेरणादायी कार्य करने वाले लोगों को

देश की बात - जन जन की बात

जानता है। प्रधानमंत्री ने हमेशा छोटे तथा सुदूरवर्ती मानव को मुख्य धारा में लाने की कटिबद्धता दर्शाई है। इसी कारण प्रत्येक सरकारी योजना को आम आदमी को केन्द्र में रखकर बनाया जाता है। श्री पटेल ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री का यह संकल्प है कि सरकारी योजना के लाभ सेचुरेशन तक पहुँचें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज सरकार गाँव-गाँव तक पहुँच कर सरकारी योजना के देय लाभ नागरिकों को दे रही है। श्री पटेल ने कहा कि अनाज वितरण, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास जैसी अनेक योजनाओं के लाभ पात्रता रखने वाले लोगों को उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। आयुष्मान योजना आज गरीबों एवं सामान्य वर्ग की संजीवनी बनी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा के रूप में जन आंदोलन शुरू किया है। 25 सितंबर से 25 दिसंबर यानी 90 दिनों तक चलने वाले इस जन आंदोलन में स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर भारत के अभियान को वेगवान बनाकर लोगों को सक्रिय रूप से स्वदेशी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता अभियान, कैच द रेन, एक पेड़ माँ के नाम जैसे जन अभियानों का उल्लेख करते हुए उपस्थित सभी लोगों से स्वदेशी अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का अनुरोध किया।

गिरिराज सिंह ने किया आई लव मोहम्मद पोस्ट, मुस्लिम वोट बैंक और चुनावी रणनीति पर नई बहस

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की राजनीति पहले ही संवेदनशील जातीय और धार्मिक समीकरणों के कारण चर्चा में है। ऐसे में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह का सोशल मीडिया पर साझा किया गया 'क छङ्ङ्ी टर्ॅौं' पोस्ट ने चुनावी परिदृश्य में एक नया मोड़ ला दिया है।

राजद नेता अब्दुल जब्बार का कहना है कि "हिंदुत्व की सियासत करने वाले नेता जो धर्म के नाम पर समाज में विभाजन कर रहे थे, अब बिहार चुनाव में जमीन खिसकने के डर से मुस्लिम समुदाय को लुभाने के लिए इस पोस्ट के माध्यम से समर्थन दिखा रहे हैं।" यह बयान स्पष्ट करता है कि राजनीतिक विरोधी इसे भाजपा की रणनीति के रूप में देख रहे हैं।

इस पोस्ट ने केवल राजनीतिक बहस को ही जन्म नहीं दिया, बल्कि सामाजिक विवाद को भी हवा दी। उत्तर प्रदेश के बरेली और बाराबंकी जैसे जिलों में पोस्ट के बाद विरोध प्रदर्शन और गिरफ्तारी की घटनाएँ हुईं। प्रशासन ने सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस तैनाती और इंटरनेट पर अस्थायी रोक लगाई। कई लोगों पर ऋक्ष्फ दर्ज की गई और कुछ प्रमुख आयोजकों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

गिरिराज सिंह ने मीडिया और सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीतिक हितों से प्रेरित बताया और विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे इसे भड़का रहे हैं। इसके साथ ही, यह पोस्ट बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में संवेदनशील राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बिहार की राजनीति में मुस्लिम वोट बैंक और सीमांचल जैसे क्षेत्रों में संवेदनशील मुद्दों का चुनावी असर सीधे मतदाता भावना और गठबंधनों पर दिखाई देगा। गिरिराज सिंह के इस कदम को मतदाता भावनाओं को सक्रिय करने और ध्रुवीकरण बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। कानून-व्यवस्था का मुद्दा भी इस बहस में शामिल हो गया है, जिससे प्रशासन और विपक्ष के टकराव पर नई निगाहें जमी हुई हैं।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह पोस्ट केवल सोशल मीडिया पर एक संदेश नहीं बल्कि चुनावी रणनीति का हिस्सा हो सकती है। भाजपा इसे मुस्लिम समुदाय के प्रति सहानुभूति दिखाने और मतदाता आधार को व्यापक बनाने की दिशा में प्रयोग कर सकती है। वहीं, विपक्ष इसे चुनावी भावनाओं को भड़काने और सरकार की आलोचना के लिए हथियार बना सकता है।

नागरिक समाज और धर्मनिरपेक्ष संगठनों ने नेताओं से संयम बरतने की अपील की है। व्यापारियों और आम जनता का कहना है कि अशांति और धार्मिक बहस रोजमर्रा की जिंदगी, त्योहार और चुनाव प्रचार प्रभावित कर सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उत्पन्न हुई यह बहस बिहार की राजनीति में मतदाता रणनीति, धर्म और सामाजिक संतुलन के बीच जटिल समीकरण खड़ा कर रही है।

अंततः, गिरिराज सिंह का 'I Love Muhammad' पोस्ट बिहार चुनाव 2025 में धार्मिक और राजनीतिक भावनाओं के बीच एक नया बहस का विषय बन गया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि चुनावी रणनीतियों और मतदाता धारणा पर इसका वास्तविक असर कितना होगा और क्या यह मुस्लिम वोट बैंक को प्रभावित करने में सफल होता है या नहीं।

पंचायती राज मंत्रालय 2 अक्टूबर को पूरे भारत में जन योजना अभियान शुरू करेगा

पंचायती राज मंत्रालय 2 अक्टूबर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पीपुल्स प्लान अभियान शुरू करने के लिए तैयार है। यह पहल वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पंचायत विकास योजनाओं (पीडीपी) की तैयारी शुरू करेगी। 2018 में अपनी शुरूआत से, अभियान ने विशेष ग्राम सभा बैठकों के माध्यम से पंचायतों को साक्ष्य-आधारित, अभिसरण और समावेशी योजनाएं बनाने में सहायता की है। ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, 2019-20 से 18.13 लाख से अधिक पंचायत विकास योजनाएं अपलोड की गई हैं। इनमें ग्राम पंचायत विकास योजनाएं (जीपीडीपी), ब्लॉक पंचायत विकास योजनाएं (बीपीडीपी) और जिला पंचायत विकास योजनाएं (डीपीडीपी) शामिल हैं।

भले ही खून की नदियां बहें', भारत-पाकिस्तान फाइनल मैच पर आगबबूला हुए संजय राउत

(जीएनएस)।

एशिया कप 2025 का फाइनल मैच होने वाला है, फाइनल मैच में भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच मुकाबला होगा। एशिया कप की इस सीरीज में हुए इससे पहले हुए मैच महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के नेता और कार्यकताओं ने सड़कों पर उतरकर जमकर विरोध किया था। वहीं अब फाइलन मैच को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत आबबबूला हो गए हैं।

सांसद संजय राउत ने इस मैच पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने इसे "सबसे बड़ा मैच नहीं" बताया है। राउत ने कहा कि मौजूदा माहौल में भारत और पाकिस्तान के लिए मैच खेलना सबसे घटिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "जब आतंकवाद की बात आती है, तो भारत के नागरिक पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहते।"

संजय राउत ने 26/11 मुंबई हमलों का जिक्र करते हुए कहा, "जिस तरह से 26 महिलाओं की सिंदूर मिटाया गया, हमने उसके लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' किया।" राउत ने सवाल उठाया कि "इसके बावजूद, अगर हम उस देश के साथ क्रिकेट खेलते हैं, तो राष्ट्रवाद कहाँ गया?"

सांसद ने आगे कहा कि "पैसा यहाँ एक महत्वपूर्ण कारक है।" उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, "भले ही खून की नदियाँ बहें, हम क्रिकेट खेलेंगे।" हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि "इस बार, लोग मैच को अपने टीवी पर भी देखना नहीं चाहते हैं।"

जल्द भारत दौरे पर आएंगे पुतिन, रूसी विदेश मंत्री ने की घोषणा

(जीएनएस)।

भारत और रूस दशकों से एक-दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार रहे हैं। चाहे रक्षा हो, ऊर्जा हो या वैश्विक मंचों पर सहयोग, दोनों देशों ने समय-समय पर अपनी मजबूत दोस्ती का सबूत दिया है। अब इस रिश्ते को और नई गति देने जा रही है रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रस्तावित भारत यात्रा।

यूएन महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र के दौरान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस यात्रा की पुष्टि की और भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की जमकर सराहना की। यह यात्रा केवल कूटनीतिक नहीं बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम साबित हो सकती है।

दिसंबर में संभावित ऐतिहासिक दौरा

लावरोव ने घोषणा की कि दिसंबर में व्लादिमीर पुतिन नई दिल्ली का दौरा करेंगे। यह दौरा भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की अगली कड़ी हो सकता है। यूक्रेन संकट के बाद पुतिन

की यह पहली भारत यात्रा होगी, जो वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई देगी। इस दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) और ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग पर गहन चर्चा की उम्मीद है।

भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना

लावरोव ने भारत को स्वाभिमान वाला देश बताते हुए तुर्की से तुलना की। उन्होंने कहा कि भारत अपने फैसले खुद लेने में सक्षम है और किसी दबाव में नहीं आता। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत अमेरिका और यूरोप से अलग अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर फैसले करता है। तेल खरीद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी भारत का रुख स्पष्ट और स्वतंत्र रहा है।

रूसी विदेश मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि इस साल जयशंकर रूस का दौरा करेंगे और वह स्वयं भारत आएंगे। इस तरह के उच्च स्तरीय दौरे न केवल विश्वास बढ़ाते हैं बल्कि आर्थिक और सैन्य साझेदारी को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर भारत का समर्थन

लावरोव ने अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार की जरूरत पर जोर दिया और भारत व ब्राजील को स्थायी सदस्यता के लिए मजबूत दावेदार बताया। यह बयान भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत करता है, जहां वह वैश्विक दक्षिण की आवाज बनकर उभर रहा है।

बिहार को मिलेगी तीन नई अमृत भारत ट्रेनें नई सौगात

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना
चार पैसेंजर गाड़ियों का भी परिचालन होगा प्रारंभ

नई दिल्ली/पटना-

बिहार को आधुनिक रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना जं. से 07 ट्रेनों की सौगात बिहार को देंगे, जिनमें 03 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे।

मध्यम वर्ग और आम लोगों की लोकप्रिय ट्रेन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना लेने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की 12 सेवाएं अभी देश भर में चल रही हैं जिनमें 10 ट्रेन बिहार से चलती हैं। तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत हो जाने के बाद इस श्रेणी की रेलगाड़ियां की संख्या बढ़कर 15 हो जाएगी जिसमें 13 ट्रेनों का परिचालन बिहार से होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बिहार वासियों के लिए यह बड़ी सौगात है।

रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना-बक्सर, झाझा-दानापुर, पटना-इसलामपुर तथा शेखपुरा-बरबीघा के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। शेखपुरा-बरबीघा-बिहार शरीफ के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन के चालू हो जाने से बरबीघा-अस्थावां-बिहार शरीफ रेलखंड पर (जिसका पिछले दिनों सीआरएस निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है) ट्रेनों के परिचालन का इस क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो जाएगा । पटना-इसलामपुर पैसेंजर एवं नवादा-पटना पैसेंजर का परिचालन नई लाइन जट डुमरी-फाजिलचक-तोपसरथुआ-दनियावां के रास्ते किया जाएगा जिससे इस क्षेत्र लोगों को भी ट्रेन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी ।

इस समारोह में बिहार को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री और उप मुख्यमंत्री 03 अमृत भारत एक्सप्रेस - मुजफ्फरपुर से हैदाराबाद के समीप चर्लपल्ली के मध्य, दरभंगा से अजमेर के समीप मदार जं. के मध्य तथा छपरा से आनंद विहार टर्मिनल के मध्य अमृत भारत ट्रेन का शुभारंभ करेंगे।

मुजफ्फरपुर से चर्लपल्ली के चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन होगी जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन होगी ।

यह अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव देगी। ये ट्रेनें बिहार को देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर उत्तर भारत और दक्षिण भारत से तेज और सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। इनके संचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा और पर्यटन, व्यापार तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

भारतीय रेलवे द्वारा विकसित अमृत भारत एक्सप्रेस आज देश की रेलवे प्रणाली के आधुनिकीकरण की मिसाल बन चुकी है। यह ट्रेन सिर्फ एक तेज और किफायती यात्रा का विकल्प नहीं है, बल्कि इसमें सेमी-ऑटोमेटिक कपलर, फायर डिटेक्शन सिस्टम, सील्ड गैंगवे, और टॉकबैक यूनिट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। पहली बार नॉन-एसी कोच में भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक अपनाई गई है।

इससे पहले बिहार को 10 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सुविधा मिल रही है और अब इन 03 नई अमृत भारत ट्रेनों के शुरू होने से राज्य की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। यह विकसित बिहार से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संक्षिप्त विवरण -

1. गाड़ी सं. 15293/15294 मुजफ्फरपुर-चर्लपल्लीी-मुजफ्फरपुर अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक) - यह एक्सलप्रेस हाजीपुर, पाटलिपुत्र, आरा, बक्ससर, डीडीयू, प्रयागराज छिवकी, जबलपुर, इटारसी, नागपुर, काजीपेट के रास्तेह चलायी जाएगी ।

2. गाड़ी सं. 19623/19624 मदार-दरभंगा-मदार अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक)- यह एक्सरप्रेस कमतौल, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, गोमतीनगर, कानपुर, टुंडला, जयपुर के रास्ते् चलायी जाएगी ।

3. गाड़ी सं. 15133/15134 छपरा-आनंद विहार-छपरा अमृत भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में दो दिन)- यह एक्सशप्रेस सिवान, थावे, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्तीु, गोंडा, ऐशबाग (लखनऊ), कानुपर के रास्ते चलायी जाएगी ।

पैसेंजर ट्रेनों का संक्षिप्त विवरण -

1. गाड़ी सं. 75271/75272 नवादा-पटना-नवादा डेमू पैसेंजर - यह पैसेंजर शेखपुरा, बरबीघा, अस्थाववां, बिहार शरीफ, नुरसराय, दनियावां, तोप सरथुआ, फाजिलचक, जटडुमारी, पुनपुन के रास्तें रविवार को छोड़कर सप्तानह में छः दिन चलायी जाएगी ।

2. गाड़ी सं. 75273/75274 इसलामपुर-पटना-इसलामपुर डेमू पैसेंजर - यह पैसेंजर पुनपुर, जटडुमरी, फाजिलचक, तोप सरथुआ, दनियावां, हिलसा के रास्तेच रविवार को छोड़कर सप्ताडह में छः दिन चलायी जाएगी ।

3. गाड़ी सं. 53201/53202 पटना-बक्स र-पटना फास्टा पैसेंजर - यह पैसेंजर दानापुर, आरा के रास्ते/ रविवार को छोड़कर सप्ता ह में छः दिन चलायी जाएगी ।

4. गाड़ी सं. 53203/53204 झाझा-दानापुर-झाझा फास्टे पैसेंजर - यह पैसेंजर जमुई, किउल, मोकामा, बख्तियारपुर, फतुहा के रास्तै रविवार को छोड़कर सप्ताुह में छः दिन चलायी जाएगी ।

-

कौन हैं डॉ. कमलताई गवई? जिन्हें आरएसएस ने विजयादशमी कार्यक्रम में बनाया मुख्य अतिथि

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्रर) इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रहा है। विजयदशमी के दिन 1925 में नागपुर से यह संगठन शुरू हुआ। आज यह दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन माना जाता है। शताब्दी वर्ष को खास बनाने के लिए संघ ने देशभर में लाखों कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

इसी कड़ी में महाराष्ट्र के अमरावती जिले में अगले महीने विजयदशमी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में डॉ. कमलताई गवई मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। उनके कार्यक्रम में शामिल होने की पुष्टि परिवार के करीबी सूत्रों ने की है।

कौन हैं डॉ. कमलताई गवई?

डॉ. कमलताई गवई विद्वान और समाजसेवी के रूप में जानी जाती हैं। वह अमरावती जिले में शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों से लंबे समय से जुड़ी रही हैं। उनके परिवार ने शिक्षा और न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वो भारत के मुख्य न्यायाधीश (उखक) बीआर गवई की मां हैं। उनके बेटे बीआर गवई वर्तमान में भारत के मुख्य न्यायाधीश हैं और देश की न्यायपालिका का नेतृत्व कर रहे हैं।

ये भी पढ़ें: इखढ अध्यक्ष चुनने में क्यों हो रही देरी? फ्रर के साथ क्या बिगड़ने लगे हैं रिश्ते! नितिन गडकरी ने क्या दिया जवाब

कमलताई गवई को स्थानीय स्तर पर महिला शिक्षा और सामाजिक उत्थान की दिशा में काम करने वाली प्रेरक शख्सियत माना जाता है। अमरावती और आसपास के इलाकों में उन्हें समाज में योगदान देने वाली एक सशक्त महिला के रूप में जाना जाता है।

अमरावती में होगा भव्य कार्यक्रम

अमरावती की फ्रर महानगर इकाई 5 अक्टूबर को विजयदशमी समारोह आयोजित करेगी। यह आयोजन किरण नगर स्थित श्रीमती नरसम्मा महाविद्यालय मैदान में होगा। इस कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ नेता जे नंद कुमार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। आयोजन समिति का कहना है कि यह कार्यक्रम जिले के बड़े सामाजिक आयोजनों में से एक होगा।

परिवार ने निमंत्रण की पुष्टि की

भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की मां डॉ. कमलताई गवई को औपचारिक निमंत्रण दिया गया है। उनके परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि वे इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी। संघ द्वारा उन्हें बुलाए जाने को एक सामाजिक सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।

फ्रर का शताब्दी वर्ष अभियान

संघ ने शताब्दी वर्ष पर एक लाख से ज्यादा हिंदू सम्मेलन और हजारों संगोष्ठियों के आयोजन की योजना बनाई है। इसके जरिए संगठन अपनी वैचारिक यात्रा और सामाजिक कार्यों को लोगों तक पहुंचाना चाहता है।

नागपुर से होगी शुरूआत

आरएसएस की स्थापना नागपुर में हुई थी और इसलिए शताब्दी वर्ष की शुरूआत भी वहीं से होगी। 2 अक्टूबर को संघ प्रमुख मोहन भागवत विजयदशमी के अवसर पर अपना वार्षिक संबोधन देंगे। इसके साथ ही देशभर में होने वाले आयोजनों की औपचारिक शुरूआत हो जाएगी।

घर-घर संपर्क अभियान

लोगों तक अधिक व्यापक पहुंच बनाने के लिए आरएसएस ने 'घर-घर संपर्क अभियान' चलाने का भी फैसला किया है। इसके तहत कार्यकर्ता सीधे आम जनता से जुड़ेंगे और संघ की विचारधारा और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी साझा करेंगे।

सबसे भव्य और लंबी रामलीला का आयोजन कहां होता है? मशहूर रामलीलाओं के बारे में भी जानें

(जीएनएस)।

शारदीय नवरात्रि के आते ही पूरे देश में धार्मिक अयोजन किए जाते हैं। माता की चौकी, पूजा हवन के अलावा खासकर रामलीलाओं का मंचन शुरू हो जाता है। इन आयोजनों में भगवान श्रीराम, माता सीता और हनुमान जैसे मुख्य किरदारों को जीवंत करने के लिए कलाकार मंच पर उतरते हैं। हमारी समृद्ध भारतीय विरासत का एक उत्कृष्ट उदाहरण रामलीला का मंचन है। प्रतिवर्ष छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक, भगवान राम की गाथा रामलीला के माध्यम से जीवंत की जाती है।

इन सभी रामलीलाओं में से एक ऐसी भी है, जो अपनी भव्यता के कारण विशिष्ट पहचान रखती है। जानिए भारत की सबसे विशाल और लंबी चलने वाली रामलीला के बारे में जानते हैं और साथी ही जानिए सबसे पुरानी रामलीला का आयोजन कहां होता है?

देश की सबसे बड़ी और भव्य रामलीला का आयोजन उत्तर प्रदेश में भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में होता है। पवित्र सरयू नदी के किनारे स्थित विशाल राम कथा पार्क इस भव्य आयोजन का गवाह बनता है, जहां हजारों-लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों भक्त पहुंचते हैं। यहां की रामलीला इतनी अद्भुत होती है कि दर्शक पूरी तरह आध्यात्मिक आनंद में

डूब जाते हैं।

इस रामलीला का मंच 120 फीट तक ऊंचा बनाया जाता है।

दर्शकों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए 3ऊ प्रोजेक्शन मैपिंग, उन्नत लाइटिंग और शानदार साउंड सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

संस्कृति विभाग की सहायता से अयोध्या की रामलीला का दूरदर्शन और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सीधा प्रसारण किया जाता है।

अयोध्या की इस रामलीला को 'फिल्मी रामलीला' के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि बॉलीवुड और टेलीविजन के कई जाने-माने कलाकार राम, सीता, लक्ष्मण, रावण और अन्य प्रमुख पात्रों का अभिनय करते हैं।

हर साल इसकी भव्यता में और वृद्धि होती है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

भारत में सबसे बड़ी रामलीला का आयोजन कहां होता है

देश की सबसे बड़ी रामलीला का आयोजन उत्तर प्रदेश की काशी नगरी यानी वाराणसी के रामनगर में होता है। ये भारत की सबसे बड़ी और सबसे लंबी चलने वाली पारंपरिक रामलीला है। जिसकी अवधि लगभग 31 दिन है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इसकी शुरूआत 1830 के दशक में काशी नरेश (वाराणसी के राजा) द्वारा किया गया था।

मंचन पूरे रामनगर कस्बे में होता है - हर दिन अलग स्थान, जैसे जनकपुर, चित्रकूट, लंका, आदि।

कलाकार स्थानीय ग्रामीण लोग होते हैं, जो बिना माइक के अभिनय करते हैं।

यूनेस्को द्वारा "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" घोषित।

यह धार्मिकता, कला और जनसंस्कृति का अद्भुत संगम है।

आजादी के पहले की रामलीला?

उत्तर प्रदेश की पावन नगरी प्रयागराज की श्री कटरा रामलीला कमेटी हर साल उत्तर भारत की सबसे प्रसिद्ध साउंड एंड लाइट पर आधारित रामलीला का मंचन करती है, जिसमें कई जाने-माने कलाकार अभिनय करते हैं। श्री कटरा रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुजीत कुमार गुप्ता के अनुसार यह रामलीला लगभग 271 साल पुरानी है, जिसका एक समृद्ध इतिहास रहा है। ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता संग्राम के कारण इस रामलीला का मंचन कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि, वर्ष 1934 के बाद इसे एक बार फिर शुरू किया गया और तब से यह लगातार दर्शकों का मनोरंजन करती आ रही है।

बड़कागांव में सीएम नीतीश-सम्राट चौधरी का संयुक्त संवाद आज, हेलिपैड से लेकर सभा स्थल तक सुरक्षा टाइट

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति से लेकर गवर्नमेंट के बड़े फैसलों तक, विकास योजनाओं से लेकर जनता से जुड़े कार्यक्रमों तक- आज बिहार में क्या कुछ नया हो रहा है, गोपालगंज जिले के हथुआ विधानसभा क्षेत्र के बड़कागांव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का संयुक्त संवाद कार्यक्रम होने जा रहा है। आज यानि 28 सितंबर को मुक्ति आदर्श उच्च विद्यालय के मैदान में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

प्रशासनिक टीम की कड़ी निगरानी

प्रशासनिक अधिकारी, पथ निर्माण, बिजली और पीएचईडी विभाग के कर्मचारी सभा स्थल पर कैंप कर रहे हैं और हर बिंदु पर निगरानी रख रहे हैं। जिले के सभी अधिकारी स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझ रहे हैं और उनके समाधान निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

सीएम और वरिष्ठ नेताओं ने किया सभा स्थल का निरीक्षण

शुक्रवार शाम को डीएम पवन कुमार सिन्हा, हथुआ एसडीएम अभिषेक कुमार चंदन और एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता ने पूर्व मंत्री रामसेवक सिंह और जेडीयू

जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही सहित अन्य पार्टी नेताओं के साथ सभा स्थल का जायजा लिया।

सुरक्षा व्यवस्था और जनता की उम्मीदें

प्रशासनिक स्तर पर सबेया एयरपोर्ट पर हेलिपैड के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हेलिपैड से सड़क मार्ग के जरिए सभा स्थल तक पहुंचेंगे। स्थानीय लोगों में इस कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साह है। उन्हें उम्मीद है कि इस दौरे से क्षेत्र की लंबे समय से लंबित कई समस्याओं का समाधान होगा और वे क्षेत्र के विकास व संभावित बड़ी घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं।

दरभंगा में आज भाजपा का जीएसटी महोत्सव

दरभंगा में आज यानि 28 सितंबर को भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ और वाणिज्य प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में जीएसटी बचत उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर शुक्रवार को जिला अतिथि गृह में भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण मन्ना की अध्यक्षता में प्रमुख कार्यकताओं की बैठक हुई।

आयोजन का उद्देश्य और रूपरेखा पर चर्चा

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई और व्यापारी समाज की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने पर विमर्श किया गया। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों के हितों में जीएसटी व्यवस्था से जुड़ी बचत और सुविधा संबंधी जानकारी देना है।

राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के दिग्गज होंगे शामिल

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक मन्नू चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सांगवी, प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजीव गुप्ता और वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जगन्नाथ गुप्ता अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इनके अलावा, बिहार सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी भाग लेंगे। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा जीएसटी से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं, लाभों और समस्याओं के समाधान पर मार्गदर्शन किया जाएगा।

विजय की करूर रैली के पीड़ित परिवारों के लिए सीएम स्टलिन ने 10 लाख के मुआवजे का किया ऐलान

(जीएनएस)।

तमिझगा वेत्री कड़गम (TVK) पार्टी के अध्यक्ष थलपति विजय की चुनावी रैली के दौरान हुए दुखद हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हो गए। इस घटना से पूरे तमिलनाडु में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने तुरंत राहत उपायों की घोषणा करते हुए न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।

यह दुखद घटना तब हुई जब अभिनेता से राजनेता बने विजय की रैली में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए मृतकों के परिजनों के लिए ₹10 लाख और घायलों के लिए ₹1 लाख के मुआवजे की घोषणा की।

करूर में मृतकों के परिजनों से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा किया। वहां उन्होंने भगदड़ की घटना में घायल हुए लोगों से भेंट कर उनका हालचाल लिया। डीजीपी जी. वेंकटरमण के अनुसार, इस हादसे में अब तक 38 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 50 से अधिक लोग घायल

हैं और उनका इलाज अस्पताल में जारी है।

उन्होंने तिरुचिरापल्ली, सलेम और डिंडीगुल के जिला कलेक्टरों को तुरंत करूर पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी करने का निर्देश दिया। आपातकालीन चिकित्सा दल सक्रिय कर दिए गए हैं और घायल लोगों के इलाज के लिए अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

भगदड़ के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के दिए गए आदेश

स्टालिन ने भगदड़ के कारणों का पता लगाने के लिए एक न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है। इस आयोग की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अरुणा जगदीशन करेंगी, जिन्होंने पहले 2018 की थूथुकुडी पुलिस गोलीबारी की जांच का नेतृत्व किया था।

यह आयोग भीड़ प्रबंधन की समीक्षा करेगा, सीसीटीवी फुटेज की जांच करेगा और चश्मदीदों के बयान दर्ज करेगा। इसका उद्देश्य जवाबदेही तय करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निवारक उपायों की सिफारिश करना है।

हालांकि बचाव और राहत कार्य जारी हैं, टीवीके और विजय की ओर से अभी तक इस त्रासदी पर कोई बयान नहीं आया है। उनकी चुप्पी ने सबका ध्यान खींचा है, जबकि पीड़ित परिवार न्याय और राजनीतिक रैलियों में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए बेहतर उपायों का इंतजार कर रहे हैं।

करूर रैली में हुई भगदड़ तमिलनाडु के इतिहास में राजनीतिक सभाओं की सबसे घातक त्रासदियों में से एक है। इस घटना ने सार्वजनिक कार्यक्रमों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और सरकारी तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गुरुग्राम पुलिस ने सोशल मीडिया पर विज्ञापनों के जरिए नकली सेक्स बढ़ाने वाली गोलियाँ बेचने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया

(जीएनएस)।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि सोशल मीडिया विज्ञापनों के माध्यम से नकली यौन वृद्धि गोलियों के वितरण का आरोप लगाने वाले एक कॉल सेंटर को ध्वस्त कर दिया गया है। इस अभियान में कॉल सेंटर के मालिक सहित ग्यारह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए लोगों में वे महिलाएं भी शामिल हैं जिन्होंने कथित तौर पर ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले उत्पाद खरीदने के लिए चिकित्सा पेशेवरों का रूप धारण किया था।

गुरुग्राम में नकली गोलियां बेचने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़

साइबर पुलिस टीम ने एक टिप-ऑफ के बाद कॉल सेंटर की गतिविधियों का खुलासा किया। शुक्रवार को उद्योग विहार फेज 5 में एक इमारत के बेसमेंट में स्थित सुविधा पर छापा मारा गया, जिसके परिणामस्वरूप सात पुरुषों और चार महिलाओं को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने अभियान के दौरान 13 मोबाइल फोन, नकली यौन वृद्धि कैप्सूल के 54 डिब्बे और 35 तेल स्प्रे जब्त किए।

तरीका-ए-कार्रवाई

पूछताछ के दौरान, संदिग्धों ने खुलासा किया कि उन्होंने दिल्ली में एक स्रोत से नकली दवाएं 50 रुपये से 100 रुपये तक की कीमतों पर हासिल की थीं। इन्हें बाद में 2,000 रुपये से अधिक में बेचा गया। एसीपी साइबर, प्रियांशु दीवान के अनुसार, कॉल सेंटर के कर्मचारियों को घोटाले में उनकी भागीदारी के लिए 15,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच मासिक वेतन के साथ-साथ अलग से 3 प्रतिशत कमीशन मिलता था।

कानूनी कार्यवाही

सात पुरुष संदिग्धों को एक शहर की अदालत में पेश किया गया और बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच, चार महिला संदिग्धों को जांच में सहयोग करने की सहमति के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। कॉल सेंटर के मालिक, जिसकी पहचान पीयूष के रूप में हुई है, ने इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफार्मों पर इन दवाओं का विज्ञापन किया था।

धोखाधड़ी का तरीका

जब संभावित ग्राहकों ने इन विज्ञापनों पर प्रतिक्रिया देते हुए फॉर्म भरे, तो कॉल सेंटर के कर्मचारियों ने नकली डॉक्टरों के रूप में संपर्क किया। फिर टीम इन भोले-भाले व्यक्तियों से ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करती थी। पुलिस इस धोखाधड़ी अभियान की हद तक जांच जारी रखे हुए है।

बिहार चुनाव के बाद होगा बीजेपी प्रेसिडेंट के नाम का ऐलान? बड़ा अपडेट आया सामने

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी (BJP) में लंबे समय से संगठनात्मक बदलाव की चर्चा चल रही है। पार्टी अध्यक्ष के पद को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही थीं। अब खबर है कि बीजेपी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ही करेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि संगठन की रणनीति और चुनावी समीकरण को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले प्रदेशों में संगठन स्तर के चुनाव को पूरा किया जाए।

सूत्रों के मुताबिक बताया जा रहा है कि बीजेपी फिलहाल बिहार चुनाव को लेकर पूरी तरह एक्टिव मोड में है। पार्टी हाईकमान का मानना है कि अभी पूरा जोर बिहार में लगाने की जरूरत है। इसके बाद नए अध्यक्ष का चुनाव संपन्न किया जाएगा और फिर बंगाल और उत्तर प्रदेश पर फोकस करना पार्टी और संघ दोनों की प्राथमिकता है।

इखढ ढश्रीश्रील्ल३ ठी६२

इखढ ढश्रीश्रील्ल३ के चुनाव में क्यों हो रही देरी?

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो संघ और पार्टी नेताओं का मानना है कि इस समय अध्यक्ष बदलने से संगठनात्मक संतुलन बिगड़ सकता है। नए अध्यक्ष के लिए भी आनन-फानन में जिम्मेदारी उठाना मुश्किल होगा। ऐसे में तय किया गया है कि चुनाव निपटने के बाद ही नए अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले दावा किया जा रहा है कि संघ और पीएम मोदी की नए अध्यक्ष के नाम को लेकर लगभग सहमति बन गई है।

यह भी पढ़ें: छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी और निर्दलीय का दबदबा, इखढ ने कर दिया बड़ा दावा, जानिए क्या

इखढ ढश्रीश्रील्ल३ के लिए चल रही इन नामों की चर्चा

जेपी नड्डा मौजूदा अध्यक्ष हैं, जिनका कार्यकाल लोकसभा चुनाव के बाद ही खत्म होने वाला था। हालांकि, प्रक्रिया में देरी की वजह से उनका कार्यकाल बढ़ाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, कहा जा रहा है कि अमित शाह की पसंद धर्मेंद्र प्रधान हैं। उनके नाम पर सहमति नहीं बन सकी है। कई नामों की चर्चा चल रही है जिसमें दो पूर्व मुख्यमंत्रियों, एक राज्यसभा सांसद और महिला अध्यक्ष जैसे नामों की भी अटकलें चल रही हैं। ऐसी चर्चा है कि शिवराज सिंह चौहान या मनोहर लाल खट्टर दोनों संघ की पसंद हैं। प्रखर वक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशू त्रिवेदी का नाम भी रेस में बताया जा रहा है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

आईएमसी के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा भेजे गये जेल

बरेली में शुव्रवार को हुई हिसा मामले में शनिवार को जिला प्राशासन ने जांच के बाद कार्रवाई करते हुए इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रामुख मौलाना तौकीर रजा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दरअसल शुव्रवार को मुस्लिम समुदाय के वुछ लोग 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर लेकर उतरे, देखते ही देखते यह विशेष प्रादर्शन हिसक टकराव में बदल गया। प्रादर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया जिसके बाद पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा। लेकिन बरेली पुलिस को इस हिसा के बाद उपद्रवियों के बारे में पता लगाने के लिए काफी परिश्रम करना पड़ा।

सीसीटीवी वैमरे एवं स्थानीय खबरी के माध्यम से खुराफातियों की पहचान करके पुलिस ने शनिवार को बरेली के बवाल को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। तौकीर रजा सहित 8 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में कोर्ट में पेश किया गया तो कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत भेज दिया। बड़ा सवाल यह है कि देश में वे कौन ऐसे लोग हैं जो राज्य सत्ता को चुनौती देने के लिए धार्मिक उन्माद पैदा करने की साजिश के तहत आम जनता को भड़काते हैं! ऐसे लोग एक ही तरफ नहीं हैं वे दूसरे धर्मो में भी हैं। अपनी दुकान चमकाने के लिए बवाल कराते हैं और जब पुलिस कार्रवाई करती है तो खुद को कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए महंगे वकील करते हैं जबकि समर्थकों को उनके हाल पर ही छोड़ देते हैं। मान लीजिए तौकीर रजा के बहकावे में आकर जिन लोगों ने बरेली की सड़कों पर बवाल किया और पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, अब उनके परिवार का भरण- पोषण कौन करेगा? कौन देगा उन लोगों के बच्चों की फीस जिन्हें अदालत ने दंगा भड़काने के आरोप में जेल भेज दिया! मौलाना तौकीर रजा 2010 के दंगे के आरोपी हैं, उनके खिलाफ अदालत में मामला लंबित है। मौलाना तौकीर रजा की हकीकत यह है कि जब भी कोई धार्मिक मामला सामने आता है तो इन्हें अपनी दुकान चमकाने के लिए सुनहरे अवसर का एहसास होने लगता है और ये महाशय उपद्रव के लिए अपने समर्थकों को भड़काने में लग जाते हैं। काशी के ज्ञानवापी मामले में भी उन्होंने बरेली को जलाने की पूरी व्यवस्था कर ली थी। प्रादर्शन करने के लिए लोगों को भड़काया भी किन्तु पुलिस ने विशेष सतर्वता बरती और तौकीर रजा की साजिश सफल नहीं हो पाई।

सच तो यह है कि किसी भी धर्म के ठेकेदार हों, वे अपनी संतान को तो कभी भी लकीर का फकीर नहीं बनने देते। उनके बच्चे कान्वेण्ट में पढ़ते हैं और वुलीन शैली में जीवन व्यतीत करते हैं क्योंकि वे मजहबी तिकड़म में पंसते ही नहीं। धार्मिक उन्माद का असर तो उन लोगों पर पड़ता है जो किसी तरह अपनी जीविका की व्यवस्था करते हैं।

भारत में किसी भी राज्य सरकार की पुलिस या प्राशासन किसी को भी उसके धार्मिक मान्यताओं का अनुशरण करने से रोकती ही नहीं। इसलिए जो भी धर्मगुरू किसी भी नागरिक को बुद्धू बनाता है तो उसके खिलाफ समुचित शासकीय कार्रवाई आवश्यक है। स्टेट अथारिटी का एहसास कराने कोई एनजीओ नहीं आएगी बल्कि यह काम शासन को ही करना होगा। इसके लिए देश की जनता को ही जागरूक बनाने की जरूरत है।

पढ़ा-लिखा जिस भी समाज में होगा आंख मूंद कर किसी के भड़काने में आने वाला नहीं है। इसलिए धर्म के ठेकेदारों को लगता है कि कहीं उनकी मजहबी दुकान का दरवाजा हमेशा के लिए बंद न हो जाए। लब्बोलुआब यह है कि बरेली का बवाल दोबारा दोहराने से बचने के लिए सरकार को निष्पक्ष जांच करानी चाहिए और दोष सिद्ध अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की जरूरत है।

आर्टिफीशियल इंटलीजेंस पर दिग्गज सीईओ का दावा, 'एआई हमारे 40 फीसदी काम कर देगा, नौकरियों के संकट का दौर आएगा'

(जीएनएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को लेकर दुनिया भर में बहस जारी है। हालांकि, तकनीकी के दिग्गजों से लेकर आम आदमी तक सबने यह स्वीकार कर लिया है कि एआई अब हमारी जिंदगी में रहेगा। ऐसे सवाल भी उठ रहे हैं कि यह तकनीक हमारी जिंदगी आसान बनाएगा या नौकरियों के लिए संकट खड़ा करेगा? अब इस पर ओपनएआई और चैटजीपीटी (Ope»»fAI ChÔtGPT) के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि एआई तकनीक इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है कि आने वाले समय में हमारे 40 फीसदी काम यही करेगा।

सैम ऑल्टमैन ने जर्मनी के अखबार डाइ वेल्ट को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि टेक्नोलॉजी की प्रगति के साथ 'सुपर इंटेलिजेंस' का दौर आ चुका है। यह इंसानों के किए जाने वाले लगभग 40% कामों की जगह ले सकता है। यानी आने वाले वर्षों में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल सकता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इसका असर कुछ क्षेत्रों में नौकरी पर भी पड़ेगा।

आगे की तकनीक पर भी काम शुरू

ऑल्टमैन ने कहा कि आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (AGI) इस दशक के अंत तक हकीकत बन सकता है। उन्होंने यहां तक दावा किया कि GPT-5 पहले से ही मुझसे और बहुत से लोगों से ज्यादा स्मार्ट है। उनका अनुमान है कि 2030 तक हमारे पास ऐसे मॉडल होंगे जो इंसानों से कहीं ज्यादा असाधारण क्षमताएं दिखाएंगे और ऐसे काम कर सकेंगे जो हम खुद नहीं कर पाते।

इंटरव्यू के दौरान जब ऑल्टमैन से पूछा गया कि अककितनी नौकरियों को खत्म कर देगा, तो उन्होंने कहा, 'ये नौकरियों की संख्या से ज्यादा कामों की संख्या का मुद्दा है। मैं आसानी से एक ऐसी दुनिया की कल्पना कर सकता हूं, जहां आज के 30-40% काम अककर रहा होगा।'

इंसानों के साथ बनने लगेगा अक का रिश्ता

अक रिसर्चर एलीजर युडकोव्स्की की उस थ्योरी पर भी उनसे सवाल किया गया जिसमें कहा गया कि सुपरइंटेलिजेंस और इंसानों का रिश्ता वैसा होगा जैसा इंसानों और चींटियों के बीच होता है। इस पर ऑल्टमैन ने जवाब दिया कि उनका मानना है कि एजीआई (AGI) इंसानों के साथ एक प्यार करने वाले माता-पिता की तरह व्यवहार करेगा। ऑल्टमैन ने साफ कहा कि तकनीक हमेशा काम का स्वरूप बदलती रही है, और इस बार भी ऐसा होगा। फर्क सिर्फ इतना होगा कि बदलाव की रफ्तार बहुत तेज होगी। कई नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन साथ ही नए तरह के काम भी सामने आएंगे।

एक्टर थलापति विजय की जाति क्या हैं? तमिलनाडु चुनाव से पहले राजनीति में एंट्री क्यों हैं डीएमके के लिए खतरा

एएतमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) प्रमुख थलापति विजय के नेतृ व में (27 सितंबर 2025) शनिवार को करूर में एक विशाल रैली आयोजित की गई, जिसमें हजारों की संख या में लोग जुटे। ये रैली उस समय मातम में बदल गई जब अचानक भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में 39 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए।

इस घटना के बाद तमिल एक्टर तमिलनाडु की डीएमके सरकार और अन्य विपक्षी पार्टियों के निशाने पर आ चुके हैं। सत्तारूढ़ स्टालिन के नेता एक टर विजय पर लगातार हमले कर रहे हैं और उनके खिलाफ सख त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जानिए आखिर थलपति विजय किसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं, जिनकी इतनी बड़ी फैन फॉलोइंग है? साथ ही जानिए तमिलनाडु चुनाव से पहले राजनीति में एंट्री कर विजय सत्तारूढ़ डीएमके और अन्य प्रतिद्वंदी पार्टियों के लिए क्यों बड़ा खतरा बन चुके हैं?

विजय की कब हुई राजनीति में एंट्री?

गौरतलब है कि तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलापति विजय ने 2 फरवरी, 2024 को अपनी नई राजनीतिक पार्टी 'तमिझागा वेत्री कड़गम (TVK)' का औपचारिक रूप से अनावरण किया। इस घोषणा के साथ, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य 2026 के विधानसभा चुनाव लड़ना है। जिसके बाद सीएम स्टालिन और उनकी पार्टी की चिताएं बढ़ गई हैं।

खुश हुए सुपरस्टार विजय के फैंस

विजय ने राजनीति को एक पेशे के बजाय जनता की सेवा का माध्यम बताया, जिससे उनके फैंस में उत्साह की लहर दौड़ गई। पिछले काफी समय से उनके राजनीति में आने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, वह तमिलनाडु के पहले ऐसे कलाकार नहीं हैं जो फिल्मी दुनिया से राजनीति में कदम रख रहे हैं; उनसे पहले

एम.जी. रामचंद्रन और जयललिता जैसे दिग्गज भी इस क्षेत्र में सफल रहे हैं।

राजनीति एंट्री करते ही छा गए एक्टर

2026 में होने वाले चुनाव के लिए 3 सितंबर, 2025 से विजय ने अपनी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार शुरू किया है। राज य भर में रैलियां कर रहे जिसमें हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ रही है। तभी से हर शनिवार को विजय जनसभाएं और रैलियां कर रहे हैं। 27 सितंबर (शनिवार) को भी इसी के तहत विजय ने सुबह नमक्कल जिले में और शाम को करूर में प्रचार किया। शाम को करूर रैली में ये दर्दनाक हादसा हुआ।

जस्टिस अरुणा जगदीशन कौन हैं? एक्टर विजय की करूर रैली में मची भगदड़ घटना की करेंगी जांच

जस्टिस अरुणा जगदीशन कौन हैं? एक्टर विजय की करूर रैली में मची भगदड़ घटना की करेंगी जांच

थलापति विजय की जाति क या है?

थलपति विजय का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था और वे तमिलनाडु के ईसाई वेल्लालर समुदाय से संबंध रखते हैं। उनके पिता, एस.ए. चंद्रशेखर, एक प्रसिद्ध तमिल फिल्म निर्देशक हैं, जबकि उनकी मां, शोबा चंद्रशेखर, एक गायिका हैं।

तमिलनाडु में कितनी है ईसाई आबादी?

भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में 2011 की जनगणना के अनुसार, ईसाई आबादी लगभग 44 लाख (कुल आबादी का 6.12%) थी। इस ईसाई आबादी में से, 2.24 प्रतिशत लोग वेल्लालर समुदाय से थे।

भारतीय टीम ने ठुकराई ट्रॉफी, मंच पर इंतजार करते रह गए मोहसिन नकवी, पाकिस्तान की भारी बेइज्जती

(जीएनएस)।

एशिया कप में भारतीय टीम को नौवीं बार जीत हासिल की लेकिन ट्रॉफी नहीं ली। मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष हैं, साथ ही वह एसीसी अध्यक्ष भी हैं। उनसे ट्रॉफी लेने से टीम इंडिया ने मना कर दिया। नकवी खड़े रहे और काफी समय तक हंगामा देखने को मिला।

फाइनल मुकाबला समाप्त होने के सवा घंटे बाद तक प्रेजेंटेशन सेरेमनी शुरू नहीं हुई क्योंकि भारत ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। नकवी एसीसी अध्यक्ष होने के नाते ट्रॉफी देना चाहते थे और उनका कहना था कि प्रोटोकॉल यही है। पाकिस्तान की टीम भी काफी समय तक वहां नहीं आई।

खबरों की मानें, तो मुकाबले के बाद जो भी दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे, उन्होंने मोहसिन नकवी को बू तक किया। इसके अलावा मैच के बाद भारत और पाकिस्तान के प्लेयर्स में कोई हाथ मिलाने की परम्परा नहीं हुई। सवा घंटे के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी हुई।

व्यक्तिगत इनाम प्लेयर्स को मिले

इसमें भारत के प्लेयर्स को व्यक्तिगत प्रदर्शन के इनाम स्पॉन्सरों की तरफ से मिले। शिवम दुबे, कुलदीप यादव, तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को इनाम मिले। पाकिस्तानी प्लेयर्स को रनरअप मेडल्स पहनाए गए लेकिन भारतीय टीम ट्रॉफी लेने के लिए नहीं आई। सूर्यकुमार यादव बोलने के लिए भी प्रेजेंटेशन सेरेमनी में नहीं आए। हालंकि भारतीय टीम ग्राउंड पर ही मौजूद थी।

नकवी की हरकतें खराब

नकवी की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर के समय बयानबाजी देखने को मिली थी, इसके अलावा दो दिन पहले उनके इन्स्टाग्राम से फाइटर जेट गिराने के अंदाज में रोनाल्डो की फोटो पोस्ट हुई थी। वह नियमित तौर पर भारत को छेड़ने का प्रयास करते रहे हैं, टीम इंडिया का कहना था कि नकवी के अलावा किसी से भी ट्रॉफी ले लेंगे।

बिना ट्रॉफी खिंचवाए फोटो

नकवी को यह लग रहा था कि अगर किसी और से ट्रॉफी दिलाई, तो उनके देश में भारी बेइज्जती होगी, इस वजह से वह अड़े रहे कि मैं प्रोटोकॉल के तहत जाऊंगा। इस तरह भारत ने साफ कर दिया कि हमने टूनार्मेंट जीता है, ट्रॉफी नहीं लेंगे। प्रेजेंटेशन सेरेमनी समाप्त होने के बाद भारत ने बिना ट्रॉफी पोडियम पर जाकर फोटो खिंचवाए। भारत ने पाकिस्तान से मिले 147 रनों का लक्ष्य अंतिम ओवर में हासिल कर लिया, तिलक वर्मा ने धाकड़ फिफ्टी जमाई।

BCCI ने किया बड़ा ऐलान

भारतीय टीम की जीत के बाद बीसीसीआई अपने प्लेयर्स और स्टाफ के ऊपर मेहरबान हुई है। भारतीय टीम और स्टाफ के लिए बोर्ड ने 21 करोड़ की इनामी रकम की घोषणा की है। बोर्ड ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी है।

क्या प्रशांत किशोर पर बड़ा दांव खेलने जा रही है भाजपा? क्या है अंदर की कहानी

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और राजनीतिक माहौल दिन-ब-दिन गरमाता जा रहा है। भाजपा और एनडीए जहां सत्ता बचाने की कवायद में लगे हैं, वहीं जनसुराज अभियान के जरिए प्रशांत किशोर (ढङ) धीरे-धीरे मैदान में जगह बना रहे हैं। अब चचाओं का बाजार गर्म है कि भाजपा प्रशांत किशोर को लेकर कोई बड़ा खुलासा करने वाली है। सवाल ये है कि ऐसा क्यों और कब हो सकता है? आइए समझते हैं अंदर की पूरी कहानी।

अमित शाह का दौरा और बंद कमरे की मीटिंग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बीते दस दिनों में दूसरी बार बिहार पहुंचे। सूत्र बताते हैं कि उनके इस दौरे का मकसद सिर्फ संगठन को दुरुस्त करना नहीं था, बल्कि प्रशांत किशोर के बढ़ते प्रभाव पर लगाम लगाना भी था। सूत्रों के मुताबिक अमित शाह ने ठऊ्र नेताओं से सख्त लहजे में कहा कि "ढङ का वोट शेयर आखिर कैसे बढ़ रहा है?"

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी द्वारा कराए गए एक सर्वे में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए-प्रशांत किशोर को बिहार में करीब 14% वोट शेयर मिलता दिख रहा है। यह आंकड़ा भाजपा के लिए खतरे की घंटी है। माना जा रहा है कि इसी कारण शाह ने नाराजगी जताई और नेताओं को आगाह किया।

- क्या भाजपा करेगी प्रेस कॉन्फ्रेंस?

बिहार की सियासी गलियारों में

जोरदार चर्चा है कि भाजपा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकती है। इसमें प्रशांत किशोर के कामकाज, उनके बयानों या फिर उनकी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर बड़ा खुलासा हो सकता है। हालांकि पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर खूब बहस छिड़ी हुई है। ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ एक बहस हो और चर्चा मात्र ही हो।

- भाजपा क्यों कर सकती है प्रशांत किशोर पर खुलासा? संभावित 5 वजहें

◆ वोट शेयर में इजाफा - सर्वे रिपोर्ट में पीके को 14% वोट शेयर मिलता दिख रहा है। भाजपा चाहेगी कि इस ग्रोथ को शुरूआती स्तर पर ही रोक दिया जाए।

◆ युवाओं और नए वोटरों में पकड़ - प्रशांत किशोर का फोकस बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर है, जो सीधे युवा और नए वोटरों को आकर्षित करते हैं। भाजपा इसे कमजोर करना चाहती है।

◆ एनडीए वोट बैंक में सेंध का डर - बिहार में जातीय समीकरण अहम हैं। पीके का कैंपेन विभिन्न वर्गों में धीरे-धीरे पैठ बना रहा है, जिससे एनडीए को नुकसान हो सकता है।

◆ पीके का राजनीतिक बैकग्राउंड - प्रशांत किशोर ने पहले कई पार्टियों के साथ चुनावी रणनीतिकार के रूप में काम किया है। भाजपा उनके पुराने कामकाज या डील्स पर सवाल उठाकर उनकी साख को चोट पहुंचा सकती है।

◆ मीडिया और नैरेटिव पर कब्जा - प्रशांत किशोर लगातार मीडिया में बने हुए हैं। भाजपा चाहेगी कि प्रेस कॉन्फ्रेंस या खुलासों के जरिए फोकस बदल दिया जाए और नैरेटिव अपने हाथ में लिया जाए।

- क्या होगा असर?

अगर भाजपा प्रशांत किशोर पर कोई बड़ा खुलासा करती है तो निश्चित तौर पर बिहार की राजनीति और चुनावी माहौल में हलचल मचेगी। फिलहाल यह महज चचाएं हैं, लेकिन राजनीति में अफवाहें भी कभी-कभी सच साबित हो जाती हैं।

- आरके सिंह के बयान से पार्टी में हलचल

बीजेपी के पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने भी पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने सार्वजनिक मंच से अलग पार्टी बनाने तक की बात कह दी। यही नहीं, वे आरोप लगा रहे हैं कि उनकी ही पार्टी के कुछ नेताओं ने उन्हें पिछला चुनाव हरवाया।

इस नाराजगी का असर सीधा-सीधा राजपूत वोट बैंक पर पड़ सकता है। बिहार में लगभग 3.5% राजपूत आबादी है और करीब 30-35 सीटों पर उनकी पकड़ मानी जाती है। ऐसे में भाजपा के लिए ये रिस्क भरा हो सकता है। इसी वजह से दिल्ली में पार्टी नेतृत्व ने तुरंत आरके सिंह से बातचीत की और उन्हें शांत करने की कोशिश की।

बिहार चुनाव 2025 अब सिर्फ एनडीए और महागठबंधन की जंग नहीं रह गया है। प्रशांत किशोर एक तीसरे विकल्प के तौर पर उभर रहे हैं, और यही भाजपा के लिए चिंता की बात है। अमित शाह का दोहरा बिहार दौरा, आरके सिंह की बगावत जैसी चचाएं और भाजपा के संभावित खुलासे-ये सब दिखाता है कि चुनावी पिच और भी दिलचस्प होने वाली है।

तिलक वर्मा का छक्के देख गौतम गंभीर का जोश हाई, जीत के बाद खुशी से झूम उठे कोच, वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए एशिया कप 2025 के फाइनल में टीम इंडिया ने यादगार जीत हासिल की। यह जीत सिर्फ तिलक वर्मा की नाबाद पारी से नहीं, बल्कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के जबरदस्त जश्न से भी हमेशा याद की जाएगी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आखिरी ओवर में भारत ने जीता मैच

जब भारत को आखिरी ओवर में 10 रनों की दरकार थी, तब पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने गेंद हारिस रऊफ को सौंपी। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने पहली दो गेंदों पर दो रन लेने के बाद रऊफ की गेंद पर एक शानदार पिक-अप शॉट खेला। जो 80 मीटर दूर जाकर सीधे छक्के के लिए बाउंड्री पार कर गया। तिलक का यह निर्णायक छक्का लगते ही कैमरे तुरंत भारतीय

ड्रेसिंग रूम में बैठे मुख्य कोच गौतम गंभीर की ओर मुड़ गए।

गौतम गंभीर का वीडियो वायरल

गंभीर खुशी और भावनाओं से इतने भर गए थे कि उन्होंने अपनी सीट के सामने रखी बेंच को जोर से पीटना शुरू कर दिया। गंभीर का यह रिएक्शन तुरंत क्रिकेट फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया। भारत ने 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहद खराब शुरूआत की थी। एक समय टीम का स्कोर 20/3 हो गया था, जब शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे बड़े बल्लेबाज सस्ते में आउट हो गए थे।

तिलक वर्मा ने दिखाया गजब का साहस

लेकिन हैदराबाद में जन्मे तिलक वर्मा ने गजब का साहस दिखाया और अंत तक टिके रहे। उन्होंने 53 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन की मैच-विनिंग पारी खेली। आखिर में रिंकू सिंह ने विनिंग रन बनाकर भारत को जीत दिलाई। इससे पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पाकिस्तान ने साहिबजादा फरहान (57) और फखर जमां की बदौलत 84 रनों की तेज शुरूआत की। लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी की।

कौन हैं विजय के 3 सहयोगी, जिनपर 40 लोगों की मौत के बाद केस दर्ज?

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय थलापति की चुनावी रैली के दौरान शनिवार (27 सितंबर 2025) को हुई भयानक भगदड़ में 40 लोगों की मौत हो गई, जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। भीड़ के बेकाबू होने से कई लोग बेहोश हो गए, जिसके चलते अभिनेता से नेता बने विजय को अपना भाषण बीच में रोकना पड़ा।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने करूर पहुंचकर पीड़ितों और घायलों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु के इतिहास में किसी राजनीतिक रैली में इतनी बड़ी त्रासदी पहले कभी नहीं हुई। यह दोबारा नहीं होनी चाहिए।' स्टालिन ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपये और घायलों को 1 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। साथ ही, एक सेवानिवृत्त हाई कोर्ट जज की अध्यक्षता में जांच आयोग गठित करने का ऐलान किया।

जीवन को खतरे में डालने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे आरोपों में केस दर्ज किया है।

विजय का दुख और मुआवजा

विजय ने रविवार (28 सितंबर 2025) को सोशल मीडिया पर दुख जताते हुए कहा, 'करूर की त्रासदी ने मुझे झकझोर दिया है। यह नुकसान अपूरणीय है।' उन्होंने मृतकों के परिवारों को 20 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की। विजय ने अपनी पार्टी की ओर से हर संभव सहायता का वादा किया।

क्या हुआ उस दिन?

शनिवार (27 सितंबर) शाम को रैली में भारी भीड़ के दबाव में कई लोग, खासकर महिलाएं और बच्चे, बेहोश होने लगे। विजय ने भाषण

रोककर शांति की अपील की और एम्बुलेंस को रास्ता देने का अनुरोध किया। अनुमति पत्र में 10,000 लोगों की उम्मीद थी, लेकिन करीब 50,000 लोग जुटे थे। शाम साढ़े सात बजे से ही एम्बुलेंस के सायरन की आवाजें सुनाई देने लगी थीं।

जांच और सरकारी कार्रवाई

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया पर इस घटना को 'चिंताजनक' बताया और अधिकारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जस्टिस अरुणा जगदीशन की अध्यक्षता में जांच आयोग बनाया। स्टालिन ने त्रिची के मंत्री अंबिल महेश और पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को राहत कार्यों में तेजी लाने को कहा। रविवार को स्टालिन ने करूर पहुंचकर घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस त्रासदी पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'करूर की घटना अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

ईमानदारी का डंका नहीं, रिश्वत की झनकार, एलडीए के अभियंता मस्त बहार!

सीलबंद नहीं, खुल्ला खेल, जनता बेहाल, अफसर मालामाल!

(जीएनएस)।

लखनऊ में इन दिनों लखनऊ विकास प्राधिकरण की रसोई में एक नया, बेहद तीखा और चटपटा व्यंजन बन रहा है, नाम है, फाइल लगाओ, इमारत उगाओ, जेब गरमाओ! यह वो जादू है, जहाँ सरकारी नियम कागजों पर अपनी इज्जत बचाने की नाकाम कोशिश करते हैं, जबकि जमीनी मंजर हमारे प्यारे अभियंताओं के दिव्य आशीर्वाद से रंगीन हो रहा है। तो चलिए, इस तड़क-भड़क वाले ड्रामे के किचन में थोड़ा झाँक लेते हैं!

ठाकुरगंज का आशीर्वाद और कंक्रीट का जादू, अगर आप भ्रष्टाचार का लाइव मेला देखना चाहते हैं, तो ठाकुरगंज पधारिए! यहाँ के सहायक और अवर अभियंता महाशय मुख्य पुजारी हैं, जिनके चरणों में अधिकृत निर्माण इतनी तेजी से फलते-फूलते हैं, मानो उन्हें किसी अदृश्य भूतनाथ का नहीं, बल्कि सीधे कुबेर देवता का

वरदान मिला हो।

कोई शरीफ नागरिक शिकायत करता है, तो बाबूजी ऐसी मासूमियत से आँखें घुमाते हैं, अरे भाई, आप क्यों परेशान हैं? कंपाउंडिंग की फाइल तो लग गई है! उनका आशय स्पष्ट है, चिंता मत करो, जेबें भर रही हैं!

और कमाल देखिए! नियम कहता है कि फाइल सभी दस्तावेज पूरे होने तक निर्माण रुकना चाहिए। लेकिन नहीं! यहाँ तो कंक्रीट का किला रातों-रात खड़ा हो जाता है! नतीजा? इमारत तैयार! कंपाउंडिंग की फाइल फेल! और हमारे अधिकारी बड़े ही दयनीय भाव से कहते हैं, अब क्या करें? बिल्डिंग तो बन गई, जादू हो गया! इसे लाचारी मत समझिए, यह तो जेबें भरने की शाही मस्ती है, जिसके आगे नियम-कानून बस मजाक का पात्र हैं!

ताजा तड़का लगा है कैम्पल रोड पर, जहाँ एक व्यावसायिक निर्माण को एलडीए ने बड़ी शान से सीलबंद किया था। लेकिन, जरा रुकिए! हमारे सहायक अभियंता साहब तो इस सील को लव-लेटर समझ बैठे! एक झटके में सील टूटी और निर्माण फिर से शुरू! ऐसा लगता है, जैसे नियमों की शोक सभा के बाद यह इमारत पुनर्जन्म लेकर जी उठी हो।

अब जब जवाबदेही की बात आती है, तो वह फुटबॉल की तरह किक होती रहती है। वी.सी. साहब की जंबो टीम मोटी तनख्वाह वाली लश्कर-ए-लखनऊ तो बस तमाशाई बनकर मूंगफली खाती रहती है, और सारा ठीकरा शिकायत कर्ता के सिर फोड़ दिया जाता है!

सोचिए, वी.सी. साहब इतनी मोटी तनख्वाह वाली टीम को पाल रहे हैं, जो सिवाय जेबें गरम करने और अवैध वसूली का मजा लेने के कुछ नहीं करती! अगर सारा बोझ वी.सी. साहब पर ही डालना है, तो फिर इस लश्कर-ए-लखनऊ को पालने का क्या फायदा? सीधे वी.सी. साहब को ही प्रवर्तन का ताज पहना दें और बाकी सबको लम्बी छुट्टी पर भेज दें, कम से कम सरकारी खजाने की बचत और ड्रामेबाजी तो कम होगी!

लखीमपुर-सीतापुर मार्ग पर भीषण हादसा : 5 की मौत, 10 घायल

डीएम-एसपी पहुंचे जिला चिकित्सालय, घायलों का लिया हालचाल

लखीमपुर खीरी 28 सितंबर। लखीमपुर खीरी, 28 सितंबर। रविवार को जिले के लखीमपुर-सीतापुर मार्ग पर दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। रोडवेज बस और ओमनी वैन की भिड़ंत में कुल पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई, जिनमें एक मासूम बच्चा भी शामिल है। 10 लोग घायल हुए, जिनमें से तीन का उपचार जिला चिकित्सालय ओयल में चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा है, जबकि सात गंभीर घायलों को राजधानी लखनऊ रेफर किया गया।

डीएम-एसपी पहुंचे जिला चिकित्सालय, घायलों का लिया हालचाल

दुर्घटना की सूचना पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा तुरंत जिला चिकित्सालय ओयल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों का हालचाल लिया और परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। चिकित्सकों से मेडिकल ट्रीटमेंट की जानकारी ली और बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डीएम-एसपी ने लखनऊ रेफर किए गए सात घायलों के उपचार की व्यवस्था पर भी वार्ता की।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि लखीमपुर सीतापुर मार्ग पर हृदय विदारक दुर्घटना हुई है, जिसमें एक 5लोगों की मृत्यु हो गई है। 10 लोग घायल हैं। सभी अधिकारियों को घायलों की हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की ओर से सभी घायलों की हर संभव मदद की जा रही है। घटना में गंभीर रूप से 07 घायलों को प्राथमिक उपचार देने के उपरांत जिला चिकित्सालय से एएलएस एंबुलेंस के जरिए लखनऊ भिजवाया।

डीएम-एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

इसके बाद डीएम एसपी दुर्घटना स्थल पहुंचकर जायजा लिया, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए।

इस दौरान एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, सीओ सिटी, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अस्पताल जाने वाले जर्जर मार्ग पर बनेगी सीसी रोड

डीएम ने लखीमपुर-सीतापुर सड़क मार्ग से जिला अस्पताल जाने वाले जर्जर मार्ग का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर पीडी (डीआरडीए) एसएन चौरसिया को सीसी रोड का प्रस्ताव तैयार कर तत्काल सड़क मार्ग बनवाने के निर्देश दिए। ताकि मरीज और उनके तिमिरदारों को चिकित्सालय आने-जाने में कोई असुविधा न हो।

न्याय की त्वरित जीत! बाराबंकी में 3 हत्यारों को उम्रकैद, पुलिस की पैरवी सफल

ऑपरेशन कनविक्शन, 30-30 हजार जुमार्ने सहित तीन हत्यारों को आजीवन कैद,

लखनऊ/बाराबंकी कहते हैं, न्याय की डगर लंबी और पथरीली होती है, मगर बाराबंकी की धरती पर लिखी गई एक कहानी ने इस मिथक को तोड़कर एक नया इतिहास रच दिया। यह कथा है पुलिस के ऑपरेशन कनविक्शन की शानदार विजय और एक ऐसी महिला अधिकारी की, जिनके अटल संकल्प और त्वरित विवेचना ने न केवल अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुँचाया, बल्कि एक शोकाकुल परिवार को एक वर्ष से भी कम समय में न्याय का उजाला दिखाया। यह है गीता द्विवेदी की प्रेरक गाथा, जिन्हें अब विवेचना की देवी के नाम से जाना जा रहा है।

03 अगस्त 2024 की वह काली रात, जब बाराबंकी के जहांगीराबाद में एक दिल दहला देने वाली घटना ने सबको झकझोर दिया। मुरारी लाल ने थाने में सूचना दी कि उनके बेटे आनंद कुमार की राकेश कुमार, नागेंद्र कुमार वर्मा और सतीश उपाध्याय ने लोहे की रॉड से बेरहमी से हत्या कर दी और शव को नाले में फेंक दिया। इस दुखद सूचना ने जहांगीराबाद थाने की प्रभारी गीता द्विवेदी के दिल में एक आग सी जला दी। उन्होंने बिना पल गँवाए भारतीय न्याय संहिता (इठर) के तहत मुकदमा दर्ज किया

और अपनी तेज-तर्रार टीम के साथ मिलकर तीनों आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया। यह थी उनकी पहली जीत, जो आने वाले न्याय के सुनहरे पन्नों की शुरूआत थी।

किसी भी अपराध की सजा का आधार होता है उसकी सटीक और समयबद्ध विवेचना। गीता द्विवेदी ने इस मामले में अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। जहां ऐसे गंभीर मामलों में आरोप पत्र दाखिल करने में महीनों लग जाते हैं, वहीं गीता ने अपनी सूझबूझ और समर्पण से ठोस साक्ष्यों का ऐसा ताना-बाना बुना कि आरोप-पत्र न केवल समय पर, बल्कि अकाट्य सबूतों के साथ न्यायालय में पेश हुआ। उनकी यह मेहनत उस मजबूत नींव की तरह थी, जिस पर न्याय का भव्य भवन खड़ा होने वाला था।

ऑपरेशन कनविक्शन के तहत बाराबंकी पुलिस की दमदार पैरवी और गीता द्विवेदी के अडिग प्रयासों ने न्यायालय में एक ऐतिहासिक फैसला सुनिश्चित किया। तीनों हत्यारों को हत्या के अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई, साथ ही प्रत्येक पर तीस हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया। यह फैसला केवल एक सजा नहीं, बल्कि उस विश्वास की जीत था, जो आम आदमी पुलिस और न्यायपालिका में रखता है। यह एक ऐसा संदेश था, जो अपराधियों के दिलों में खौफ और समाज में उम्मीद की किरण बनकर उभरा।

गीता द्विवेदी की यह उपलब्धि आज पूरे पुलिस महकमे में चर्चा का विषय बनी हुई है। उन्हें विवेचना की देवी का खिताब मिला है, और यह सम्मान उनकी मेहनत और निष्ठा का जीता-जागता सबूत है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि यदि नीयत साफ हो और कदम तेज, तो न्याय की राह न केवल आसान हो सकती है, बल्कि वह समय पर अपनी मंजिल तक भी पहुँचती है। उनकी यह कहानी उन सभी पुलिसकर्मियों के लिए एक प्रेरणा है, जो समाज में न्याय और सुरक्षा का दीप जलाने को प्रतिबद्ध हैं।

बाराबंकी का यह मामला केवल एक अपराध की सजा तक सीमित नहीं है, यह उस अटल विश्वास की कहानी है, जो पुलिस और न्यायपालिका के प्रति आमजन के मन में जागता है। गीता द्विवेदी जैसे अधिकारी न केवल कानून के रखवाले हैं, बल्कि वे समाज के लिए आशा की किरण भी हैं। यह कहानी हमें सिखाती है कि जब समर्पण, साहस और सूझबूझ एक साथ मिलते हैं, तो न्याय की राह पर सुनहरे अध्याय लिखे जाते हैं।

बाराबंकी की इस घटना ने न केवल एक परिवार को सुकून दिया, बल्कि पूरे समाज को यह विश्वास दिलाया कि कानून की ताकत और मानवता का संयोजन ही सच्चे न्याय का आधार है।

भाजपा जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमले में शामिल बदमाश से हुई मुठभेड़ : पुलिस की गोली से बदमाश हुआ लंगड़ा

अवैध हथियार, कारतूस और चोरी की बाइक बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोसीकलां क्षेत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष के घर पर फायरिंग करके जानलेवा हमला करने के षणयंत्र में शामिल एक बदमाश से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से शातिर बदमाश लंगड़ा हो गया है। बताते चलें कि पिछले दिनों भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय अपने मकान के बाहर बैठे हुए थे। उसी दौरान शातिर बदमाश लोकेश पंडित ने अपने गैंग के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमला करते हुए ताबड़तोड़ गोलियां दागीं थी। हमला होते ही भाजपा जिलाध्यक्ष ने भागकर अपनी जान बचायी थी। भाजपा जिलाध्यक्ष पर हमले की जानकारी होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फोन करके उनकी कुशलक्षेम जानने के बाद हमलावर बदमाशों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री योगी के संज्ञान लेने के बाद मथुरा पुलिस में खलबली मच गई थी। इसके बाद एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर थाना प्रभारी कोसीकलां अरविंद निर्वाल पुलिस टीम के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष पर जानलेवा हमला करके फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश लोकेश पंडित समेत पूरे गैंग की तलाश में दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि घटना में शामिल लोकेश पंडित गैंग का सदस्य शातिर बदमाश महेश बादल, अजीजपुर माइनर पटरी से होकर

जाने वाला है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अरविंद निर्वाल पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान वहां होकर जा रहे शातिर बदमाश महेश बादल पुत्र गोपाल प्रसाद निवासी पुष्पांजली रोड़ लाजपतनगर थाना हाईवे को पुलिस ने घेरा तो शातिर ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी फायरिंग की तो बदमाश महेश बादल के पैर में गोली लग गई। पुलिस की गोली लगते ही शातिर बदमाश घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने घायल बदमाश को गिरफ्तार करने के बाद इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए घायल बदमाश के पास से एक तमंचा, कारतूस और एक चोरी की स्पलेंडर बाइक बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

छाता पुलिस ने पकड़ा एक तस्कर : नशीला पाउडर बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित अहूरी चौराहा के पास से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को नशीले पाउडर समेत दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह और एसआई उज्जवल कुमार पुलिस टीम के साथ मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि अहूरी चौराहा के पास एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे मादक पदार्थ तस्कर विनोद पुत्र ओमप्रकाश निवासी नौगांव थाना छाता को घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 160 ग्राम नशीला पाउडर एल्प्राजोलम बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

नौहझील पुलिस और सर्विलांस टीम की गौकशों से हुई मुठभेड़

सरकारी पीतल से दो गौकश हुए घायल

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित अहमदपुर रोड़ पर नौहझील पुलिस की फरार चल रहे गौ-तस्करों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली से दो गौ-तस्कर लंगड़े हो गए। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार निर्देशन में थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा पुलिस टीम के साथ फरार अपराधियों की तलाश में दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि गौवध अधि. में फरार चल रहे दो गौ-तस्कर, अहमदपुर रोड़ पर पुनः कटान के लिए गौवंश को तलाश रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू सिंह और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा पुलिस टीम में एसएसआई संजय कुमार, कस्बा चौकी प्रभारी अंकित कुमार, चौकी प्रभारी हसनपुर अशेष कुमार, चौकी प्रभारी कोलाहर संदीप राणा, मुख्य आरक्षी मुकेश कुमार, दीपक

चौधरी, राहुल कुमार, राधास्वामी और सर्विलांस टीम के मुख्य आरक्षी सुमित कुमार तथा रोहित जनमेदा के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम ने कटान के लिए गौवंश पकड़ने जा रहे फरार गौ-तस्करों को घेरा तो शातिरों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी फायरिंग की तो शातिर गौ-तस्कर सुनील पुत्र मोहन और अनिल पुत्र मोहन निवासीगण गांव वलीपुर थाना खैर जिला अलीगढ़, हाल निवासी मिलक तहसील के पीछे थाना खैर जिला अलीगढ़ के पैरों में सरकारी पीतल धंस गई। पुलिस की गोली लगने से घायल हुए गौ-तस्करों को पुलिस टीम ने गिरफ्तार करने के बाद इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से दो तमंचा, कारतूस, एक कुल्हाड़ी, 1 फरसा और 2 नशीले इंजेक्शन तथा सिरिंज बरामद की है। इस संबंध में एसपी ग्रामीण ने बताया कि मुठभेड़ में घायल हुए शातिरों का गौकशी करने का एक गिरोह है। बताया कि घायल बदमाश और इनके साथी सुनसान स्थल, जंगल एवं चारागाह की भूमि पर घूमने वाले गौवंशो को नशीले इंजेशन लगाकर उन्हें बेहोश करके किसी सूनसान खेत तथा आड़ वाले स्थान पर गौवंश की हत्या करके गौमांस को जिला अलीगढ़ और शिलमपूर (दिल्ली) में बेचते हैं। पुलिस ने घायल गौ-तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

राम उग्रह शुक्ला का 30 सूत्रीय संकल्पः अधिवक्ता हित सर्वोपरि

कोई मुसीबत पड़े तो याद करना, सलाह नहीं साथ देंगे!

लखनऊ। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि राम उग्रह शुक्ला (एडवोकेट) के उस दृढ़ संकल्प का प्रतीक है, जिसके साथ उन्होंने अधिवक्ता समाज की मूलभूत समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखने का बीड़ा उठाया है। यह घोषणापत्र अधिवक्ताओं की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान को पुनर्स्थापित करने का एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है, जिसमें 30 महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं।

श्री शुक्ला का एजेंडा अधिवक्ताओं के लिए सुरक्षा कवच तैयार करने से शुरू होता है। सबसे महत्वपूर्ण मांग है अधिवक्ता सुरक्षा कानून का प्रभावी क्रियान्वयन। इसके साथ ही, उन्होंने एक मानवीय कदम उठाते हुए असामयिक/प्राकृतिक मृत्यु पर मात्र 48 घंटे में मुआवजा सुनिश्चित करने और मुआवजा पाने की आयु-सीमा को समाप्त करने का वादा किया है।

न्यायिक प्रक्रिया में अधिवक्ताओं के सम्मान की रक्षा के लिए, आपराधिक मामलों के त्वरित निपटारे हेतु विशेष अधिवक्ता न्यायाधिकरण की स्थापना का संकल्प लिया गया है। न्यायालय कक्षों में अनिवार्य सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा की भावना को मजबूत करेंगे। वहीं, महिला अधिवक्ताओं के लिए मातृत्व लाभ, सुरक्षित क्रेच और हेल्पलाइन जैसी विशेष सुविधाओं पर जोर देना इस विजन को समावेशी बनाता है।

अधिवक्ता कल्याण को केवल कागजों तक सीमित न रखकर, इसे वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा के मजबूत स्तंभों पर खड़ा करने का लक्ष्य है। स्वास्थ्य सुरक्षाः आयुष्मान भारत की तर्ज पर सभी अधिवक्ताओं हेतु कैशलेस स्वास्थ्य बीमा सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। वित्तीय सहायताः अधिवक्ता सहकारी बैंक की स्थापना 4% ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराएगी। वहीं, दुर्घटना या मृत्यु पर सहायता राशि को न्यूनतम ₹20 लाख (कल्याण कोष से) और मृत्यु पर ₹1 करोड़ के ऐतिहासिक मुआवजे तक ले जाने का वादा किया गया है पेंशन और स्टाइपेंडः 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ अधिवक्ताओं को ₹10,000 प्रतिमाह पेंशन और युवा अधिवक्ताओं को शुरूआती 5 वर्ष तक मासिक मानदेय/स्टाइपेंड देकर अनुभव और ऊर्जा दोनों का सम्मान किया गया है।

घोषणापत्र आधुनिकता को अपनाते हुए अधिवक्ताओं के कार्यस्थल को उन्नत बनाने पर भी केंद्रित है। अधिवक्ता आवास योजना, चैंबर निर्माण, और आवश्यकतानुसार अधिवक्ता भवन के निर्माण को प्राथमिकता दी जाएगी।

तकनीकी क्रांति के इस दौर में, ई-लाइब्रेरी, हाई-स्पीड इंटरनेट हब और वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए अक आधारित लीगल रिसर्च असिस्टेंट जैसी सुविधाएँ उन्हें प्रतिस्पर्धा में आगे रखेंगी। एक अभिनव कदम के रूप में अधिवक्ताओं हेतु टोल-टैक्स मुक्त कार्ड का संकल्प यात्रा को सुगम बनाएगा।

राम उग्रह शुक्ला न्यायिक व्यवस्था में सुधार के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। लंबित वादों के निपटान हेतु पीठासीन अधिकारियों और पर्याप्त कर्मचारियों की शीघ्र नियुक्ति पर जोर है। सबसे महत्वपूर्ण, न्यायालय परिसरों की उच्च स्तरीय स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए निजी एजेंसियों को कार्य सौंपना, एक ऐसा कदम है जो अधिवक्ताओं, न्यायिक अधिकारियों और वादकारियों, सभी को एक सम्मानजनक और स्वस्थ माहौल प्रदान करेगा।

यह घोषणापत्र केवल 30 संकल्पों का संग्रह नहीं, बल्कि अधिवक्ता समाज की एकता और गरिमा को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए किए गए सतत संघर्ष का प्रण है। राम उग्रह शुक्ला का विजन स्पष्ट है, सलाह नहीं, वे साथ देने आए हैं, ताकि अधिवक्ताओं के अधिकार और सम्मान की लड़ाई को अंजाम तक पहुँचाया जा सके।

अमर शहीद भगत सिंह जयंती समारोह

(जीएनएस)। प्रयागराज

शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की जयंती हर साल 28 सितम्बर को मनाई जाती है।

भगत सिंह का जन्म 28 सितम्बर 1907 को पंजाब के बंगा गाँव (अब पाकिस्तान) में हुआ था।

वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सबसे साहसी और क्रांतिकारी नेताओं में से एक थे।

"इंकलाब ज़िंदाबाद" का नारा भगत सिंह ने ही बुलंद किया था।

उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ असेंबली में बम फेंककर

और लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेकर युवाओं को आजादी की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

उन्हें 23 मार्च 1931 को राजगुरु और सुखदेव के साथ लाहौर जेल में फाँसी दी गई। इस दिन को शहीद दिवस के रूप में भी याद किया जाता है।

"28 सितम्बर को उनकी जयंती पर पूरे भारत में श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है और उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा बने हुए हैं।

कनपरी रामलीला मेले में पुलिस की मृतप्राय उदासीनता व लापरवाही की घटना सामने आई

(जीएनएस)। पीलीभीत

पीलीभीत। बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव कनपरी में चल रहे ऐतिहासिक रामलीला मेले के दौरान पुलिस की ड्यूटी में भारी लापरवाही का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में मेले की सुरक्षा और व्यवस्था संभालने वाले दरोगा मनोज कुमार और कांस्टेबल गुरुमीत को कुर्सियों पर बैठे मोबाइल फोन में व्यस्त और आराम फरमाते हुआ देखा गया।

यह स्थिति चिंता का विषय है क्योंकि मेले में बड़ी संख्या में लोग आते हैं और पुलिस की जिम्मेदारी होती है कि वे सतर्क रहें और उचित ढंग से व्यवस्था बनाएं रखें। लेकिन इस वीडियो ने यह साबित कर दिया कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य से बेखबर बैठे रहे।

इस दौरान मेले का प्रबंधन किसान यूनियन के कार्यकताओं द्वारा किया जा रहा था, जो यह दशार्ता है कि आधिकारिक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित रही। ग्रामीण और आस-पास के लोग पुलिस के इस

लापरवाह रवैए से नाराज हैं और मांग कर रहे हैं कि इस मामले की गंभीरता से जांच हो और दोषी पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

स्थानीय पुलिस प्रशासन ने इस घटना की पुष्टि तो की है, लेकिन जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे का कदम उठाने की बात कही है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब सुरक्षा में यह स्तर है तो आम जनता की जान-माल की रक्षा कैसे होगी?

इस घटना ने एक बार फिर पुलिस व्यवस्था की कमजोरियों और आकस्मिक स्थितियों में अक्षम फैसलों को उजागर किया है।

क्या आपको अपने इलाके में भी पुलिस की ऐसी लापरवाही का सामना करना पड़ा है?